प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / **Question Booklet Serial No. : 101-**

ANNUAL EXAMINATION –2026

CLASS IX

विषय कोड :
Subject Code : 101

मातृभाषा हिन्दी

HINDI (MT)

कुल प्रश्न : 100 + 6 = 106 | कुल मुद्रित पृष्ठ : 16

Total Questions : 100 + 6 = 106 | **Total Printed Pages : 16**

(समय : 3 घंटे 15 मिनट) | (पूर्णांक : 100)

[Time : 3 Hours 15 Minutes] | [Full Marks : 100]

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. ***परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्तिका क्रमांक (10 अंकों का) अवश्य लिखें।***
2. *परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।*
3. *दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।*
4. *प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।*
5. *यह प्रश्न पुस्तिका दो खण्डों में है — **खण्ड-अ** एवं **खण्ड-ब**।*
6. ***खण्ड-अ** में 100 **वस्तुनिष्ठ** प्रश्न हैं, जिनमें से **किन्हीं 50 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।** पचास से अधिक प्रश्नों के उत्तर देने पर प्रथम 50 उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए **1 अंक** निर्धारित है। सही उत्तर को उपलब्ध कराये गये **OMR** उत्तर पत्रक में दिये गये सही विकल्प को **नीले / काले बॉल पेन से प्रगाढ़ करें। किसी भी प्रकार के ह्वाइटनर/ तरल पदार्थ / ब्लेड / नाखून आदि का OMR उत्तर-पुस्तिका में प्रयोग करना मना है, अन्यथा परीक्षा परिणाम अमान्य होगा।***
7. ***खण्ड - ब में 6 विषयनिष्ठ प्रश्न हैं ।***
8. *किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है ।*

खण्ड - ब

विषयनिष्ठ प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है । $5 \times 2 = 10$

(क) पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्वपूर्ण आधार है । दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, उतना ही सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए आवश्यक भी है । पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ न कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है । हमारा पड़ोसी अमीर हो या गरीब, उसके साथ संबंध रखना सदैव हमारे हित में ही होता है । आकस्मिक आपदा एवं आवश्यकता के समय पड़ोसी ही सबसे अधिक विश्वस्त सहायक हो सकता है ।

(i) सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार क्या है ?

(ii) पड़ोस क्यों आवश्यक है ?

(iii) पड़ोसी के साथ क्या बिठाना पड़ता है ?

(iv) पड़ोस में कौन हो सकते हैं ?

(v) सबसे विश्वस्त सहायक कौन हो सकता है ?

(ख) स्वतंत्र भारत का सम्पूर्ण दायित्व आज विद्यार्थियों के कंधे पर है । कारण आज जो विद्यार्थी हैं, वे ही कल भारत के नागरिक होंगे । भारत की उन्नति एवं उसका उत्थान विद्यार्थियों की उन्नति एवं उत्थान पर निर्भर करता है । अतएव विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने भावी जीवन का निर्माण बड़ी सतर्कता और सावधानी के साथ करें । उन्हें प्रत्येक क्षण अपने राष्ट्र, अपने समाज, अपने धर्म, अपनी संस्कृति को अपनी आँखों के सामने रखना चाहिए जिससे उनके जीवन से राष्ट्र को कुछ शक्ति प्राप्त हो सके । जो विद्यार्थी राष्ट्रीय दृष्टिकोण से अपने जीवन का निर्माण नहीं करते, वे राष्ट्र और समाज के लिए बोझ बन जाते हैं ।

(i) किसी देश की उन्नति और उत्थान किन पर निर्भर करता है ?

(ii) राष्ट्र को शक्तिशाली बनाने हेतु विद्यार्थियों का क्या कर्त्तव्य है ?

(iii) किस प्रकार के विद्यार्थी राष्ट्र और समाज के लिए बोझ बन जाते हैं ?

(iv) आने वाले कल में भारत के नागरिक कौन होंगे ?

(v) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है : $5 \times 2 = 10$

(क) परोपकार से बढ़कर और कोई पुण्य नहीं है । वेदों और उपनिषदों में भी यही कहा गया है । भारतीय संस्कृति परोपकार के लिए जानी जाती है । महर्षि दधीचि ने वृत्रासुर से रक्षा करने के लिए देवताओं को अपनी अस्थियाँ दान में दे दी थीं । राजा शिवि ने कबूतर की रक्षा के लिए बाज को अपना मांस काटकर खिलाया । देश को स्वतंत्र कराने के लिए हजारों भारतीयों ने अपने प्राण त्याग दिए थे । दूसरे के कष्टों को अपनाकर देखिए । कष्ट में किसी का सहारा बन कर देखिए । दुखी व्यक्ति के दुख दूर हो जाने पर, उसके मुख पर आई मुस्कान के पीछे यदि आप हैं तो आपसे महान और कोई नहीं है ।

(i) किससे बढ़कर कोई पुण्य नहीं है ?

(ii) भारतीय संस्कृति किसलिए जानी जाती है ?

(iii) दूसरों के लिए किस-किसने बलिदान दिए ?

(iv) महान कौन है ?

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक दें ।

(ख) कार्य का महत्त्व और उसकी सुंदरता उसके समय पर संपादित किए जाने पर ही है । अत्यंत सुघड़ता से किया गया कार्य भी यदि आवश्यकता के पूर्व न पूरा हो सके तो उसका किया जाना निष्फल ही होगा । चिड़ियाँ द्वारा खेत चुग लिए जाने पर यदि रखवाला उसकी सुरक्षा की व्यवस्था करे तो सर्वत्र उपहास का पात्र ही बनेगा । देर से किए गए उसके उद्यम का कोई मूल्य नहीं होगा । श्रम का गौरव तभी है जब उसका लाभ किसी को मिल सके । इसी कारण यदि बादलों द्वारा बरसाया गया जल कृषक की फसल को फलने-फूलने में मदद नहीं कर सकता तो उसका बरसना ही व्यर्थ है । अवसर का सदुपयोग न करने वाले व्यक्ति को इसी कारण पश्चाताप करना पड़ता है ।

(i) जीवन में समय पर किए गए कार्य का क्या महत्त्व है ?

(ii) खेत का रखवाला उपहास का पात्र क्यों बनता है ?

(iii) किस प्रकार के उद्यम का कोई मूल्य नहीं होगा ?

(iv) श्रम का गौरव कब है ?

(v) किस प्रकार के व्यक्ति को पश्चाताप करना पड़ता है ?

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **250 - 300** शब्दों में निबंध लिखें : $1 \times 10 = 10$

(क) अनुशासन

(ख) दहेज प्रथा

(ग) आदर्श विद्यार्थी

(घ) दीपावली

(ङ) महात्मा गाँधी

4. अपने पिता के पास एक पत्र लिखें जिसमें पुस्तक खरीदने के लिए रुपए भेजने का उल्लेख हो । $1 \times 5 = 5$

अथवा

ध्वनि-प्रदूषण को केन्द्र में रखकर दो छात्रों के बीच का संवाद लिखें ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें : $5 \times 2 = 10$

(क) दारोगाजी की तरक्की रुकने की क्या वजह थी ?

(ख) फाह्यान कौन थे ? वे नालंदा कब आए थे ?

(ग) गार्हस्थ्य कर्म विधान में स्थियाँ किस तरह के गीत गाती हैं ?

(घ) रैदास ने अपने ईश्वर को किन-किन नामों से पुकारा है ?

(ङ) महादेवी वर्मा किसे मलिन नहीं करने की बात करती हैं और क्यों ?

(च) कवि लीलाधर जगूड़ी ने क्यों दुखी न रहने की बात ठान ली है ?

(छ) लोकगीत किसे कहते हैं ?

(ज) दरभंगा घराना के सर्वश्रेष्ठ गायक कौन माने जाते हैं और इनका प्रिय गायन क्या था ?

(झ) भारतीय नृत्य कला मंदिर कहाँ है ? उसकी स्थापना किसने की थी ?

(ञ) मधुबनी चित्रकला क्या है ?

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

(क) "ग्राम-गीत हृदय की वाणी है, मस्तिष्क की ध्वनि नहीं" – आशय स्पष्ट करें ।

(ख) "मन ही पूजा मन ही धूप । मन ही सेऊँ सहज सरूप" – भाव स्पष्ट करें ।

1.

गद्यांश (क) के उत्तर

(i) सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार क्या है?

उत्तर: सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार 'पड़ोस' है।

(ii) पड़ोस क्यों आवश्यक है?

उत्तर: पड़ोस सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए आवश्यक है।

(iii) पड़ोसी के साथ क्या बिठाना पड़ता है?

उत्तर: चूंकि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए उनके साथ हमें सामंजस्य बिठाना पड़ता है।

(iii) पड़ोसी के साथ क्या बिठाना पड़ता है?

उत्तर: चूंकि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए उनके साथ हमें सामंजस्य बिठाना पड़ता है।

(iv) पड़ोस में कौन हो सकते हैं?

उत्तर: पड़ोस में कोई भी व्यक्ति हो सकता है, चाहे वह अमीर हो या गरीब।

(v) सबसे विश्वस्त सहायक कौन हो सकता है?

उत्तर: आकस्मिक आपदा और आवश्यकता के समय पड़ोसी ही सबसे विश्वस्त सहायक हो सकता है।

2.

गद्यांश (क) के उत्तर

(i) किससे बढ़कर कोई पुण्य नहीं है?

उत्तर: परोपकार से बढ़कर और कोई पुण्य नहीं है।

(ii) भारतीय संस्कृति किसलिए जानी जाती है?

उत्तर: भारतीय संस्कृति अपनी **परोपकार की भावना** के लिए जानी जाती है।

(iii) दूसरों के लिए किस-किसने बलिदान दिए?

उत्तर: दूसरों के लिए **महर्षि दधीचि** ने देवताओं की रक्षा हेतु अपनी अस्थियाँ दान कीं, **राजा शिवि** ने कबूतर की रक्षा के लिए अपना मांस दान किया और **हज़ारों भारतीयों** ने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया।

(iv) महान कौन है?

उत्तर: वह व्यक्ति महान है जो दूसरों के कष्टों को अपनाता है, संकट में किसी का सहारा बनता है और जिसके कारण किसी दुखी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान आती है।

(v) गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

उत्तर: उचित शीर्षक: **'परोपकार का महत्त्व'** या **'सच्चा सुख: परोपकार'**।

3. निबंध (विषय: अनुशासन)

अनुशासन: जीवन का आधार

'अनुशासन' दो शब्दों के मेल से बना है—अनु + शासन, जिसका अर्थ है किसी नियम के पीछे चलना या शासन के अनुसार चलना। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का बहुत महत्व है। बिना अनुशासन के न तो कोई व्यक्ति उन्नति कर सकता है और न ही कोई राष्ट्र।

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन की उपयोगिता सबसे अधिक है। जो छात्र समय पर सोता है, समय पर जागता है और अपने सभी कार्य नियमबद्ध तरीके से करता है, वही भविष्य में एक सफल नागरिक बनता है। अनुशासन केवल कठोर नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि यह अपने मन और व्यवहार को नियंत्रित करने की एक कला है।

प्रकृति भी हमें अनुशासन सिखाती है। सूर्य का समय पर निकलना, ऋतुओं का चक्र और ग्रहों की गति—सब कुछ एक निश्चित नियम में बँधा है। यदि समाज में अनुशासन न हो, तो चारों ओर अराजकता फैल जाएगी। अतः हमें अपने जीवन में अनुशासन को अपनाना चाहिए क्योंकि यह सफलता की पहली सीढ़ी है।

4. पत्र लेखन (पिताजी को पत्र)

परीक्षा भवन, पटना
दिनांक: 06 मार्च, 2026

पूज्य पिताजी,
सादर चरण स्पर्श।

मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप भी सपरिवार प्रसन्न होंगे। मेरी पढ़ाई बहुत अच्छी चल रही है। मुझे अपनी अगली कक्षा के लिए कुछ नई पुस्तकें और व्याकरण की किताबें खरीदनी हैं। इसके लिए मुझे लगभग **1,000 रुपये** की आवश्यकता है।

अतः आपसे प्रार्थना है कि कृपया शीघ्र ही यह राशि भेजने की कृपा करें ताकि मैं समय पर अपनी पढ़ाई शुरू कर सकूँ। माँ को मेरा प्रणाम और छोटों को प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,
[आपका नाम]

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर

- **(क) दारोगाजी की तरक्की रुकने की क्या वजह थी?**
  उत्तर: दारोगाजी के पास एक बहुत ही शानदार 'तुर्की घोड़ी' थी, जिससे वे बहुत प्रेम करते थे। उस घोड़ी के खर्च और उसकी वजह से आए आर्थिक संकट के कारण तथा रिश्वत न लेने की अपनी ईमानदारी के कारण उनकी तरक्की रुक गई थी।

- **(ख) फाह्यान कौन थे? वे नालंदा कब आए थे?**

  उत्तर: फाह्यान एक प्रसिद्ध **चीनी बौद्ध भिक्षु और यात्री** थे। वे पाँचवीं शताब्दी (लगभग **400 ईस्वी**) में नालंदा आए थे।

- **(घ) रैदास ने अपने ईश्वर को किन-किन नामों से पुकारा है?**

  उत्तर: संत रैदास ने अपने ईश्वर को **राम, गोविंद, हरि, प्रभु, स्वामी और माधव** जैसे नामों से पुकारा है।

- **(छ) लोकगीत किसे कहते हैं?**

  उत्तर: जो गीत जनसाधारण द्वारा रचे जाते हैं और पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से गाए जाते हैं, उन्हें **लोकगीत** कहते हैं। ये गीत क्षेत्रीय संस्कृति और लोक जीवन की खुशियों-दुखों को दर्शाते हैं।

- **(झ) भारतीय नृत्य कला मंदिर कहाँ है? उसकी स्थापना किसने की थी?**
  उत्तर: भारतीय नृत्य कला मंदिर **पटना (बिहार)** में स्थित है। इसकी स्थापना सुप्रसिद्ध कलाकार **पद्मश्री हरि उप्पल** ने की थी।

6. आशय स्पष्ट करें (क)

"ग्राम-गीत हृदय की वाणी है, मस्तिष्क की ध्वनि नहीं"

आशय: इस पंक्ति का अर्थ है कि ग्राम-गीत (लोकगीत) ग्रामीण जनता की **सहज भावनाओं और उनके हृदय के उद्गार** होते हैं। इन्हें बनाने के लिए किसी कठिन व्याकरण या बौद्धिक कसरत (मस्तिष्क) की आवश्यकता नहीं होती। ये गीत सीधे दिल से निकलते हैं, जिनमें बनावट कम और संवेदना अधिक होती है। इनमें तर्क के बजाय प्रेम, विरह और करुणा जैसी मानवीय भावनाएँ प्रधान होती हैं।